हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

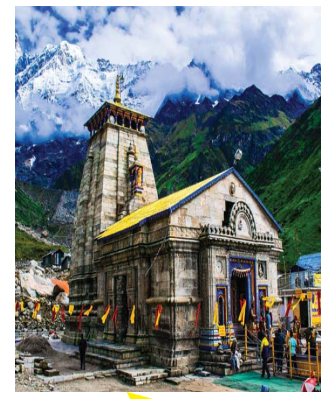

वर्ष:5 अंक:35 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, सोमवार, 09 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तरायणी कौथिक महोत्सव के समापन कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में सेवा संकल्प फाउंडेशन की भूमिका की सराहना

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज परेड ग्राउंड में सेवा संकल्प फाउंडेशन द्वारा आयोजित चार दिवसीय उत्तरायणी कौथिक महोत्सव के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोक कलाकारों, साहित्यकारों, कला-प्रेमियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित जनता का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह महोत्सव उत्तराखंड की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से लोक संस्कृति को एक सूत्र में पिरोकर भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सेवा संकल्प फाउंडेशन, इसकी संस्थापक श्रीमती गीता धामी एवं समस्त आयोजन समिति को साधुवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन राज्य की पहचान को और अधिक सशक्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से लोक कलाओं, पारंपरिक वेशभूषा, हस्तशिल्प एवं कारीगरी को नजदीक से जानने और समझने का अवसर प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जागर, बेड़ा, मांगल, खुदेड़, छोपाटी जैसे लोकगीतों तथा छोलिया, पांडव और झोड़ा-छपेली जैसे लोकनृत्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक आत्मा हैं, जिन्हें संरक्षित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चार दिवसीय आयोजन में लगे स्टॉलों के माध्यम से पारंपरिक हस्तशिल्प, जैविक उत्पादों एवं उत्तराखंडी व्यंजनों के सुंदर प्रदर्शन की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया', 'मेड इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में उत्तराखंड सरकार द्वारा भी राज्य के समग्र विकास के लिए अनेक योजनाएं और

नीतियां प्रभावी रूप से लागू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि 'एक जनपद, दो उत्पाद' योजना और 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जा रही है। इसके साथ ही स्टेट मिलेट मिशन, फार्म मशीनरी बैंक, एप्पल मिशन, कीवी मिशन, नई पर्यटन नीति, नई फिल्म नीति, होम स्टे, वेड इन उत्तराखंड और सौर स्वरोजगार योजना जैसी पहलों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बीते साढ़े चार वर्षों में उत्तराखंड ने अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पलायन निवारण आयोग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। किसानों की आय बढ़ाने में उत्तराखंड ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में भी राज्य अग्रणी बनकर उभरा है।

उन्होंने बताया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तराखंड को 'अचीवर्स' और स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर्स' की श्रेणी प्राप्त हुई है। सिंगल विंडो सिस्टम को 'टॉप अचीवर्स' श्रेणी में पुरस्कृत किया गया है। नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य सूचकांक 2023-24 में उत्तराखंड ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य खनन तत्परता सूचकांक में उत्तराखंड को श्रेणी-सी में देश में दूसरा स्थान मिला है। लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस में भी राज्य को अचीवर्स श्रेणी में स्थान मिला है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मिले पुरस्कार ने उत्तराखंड की निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन व्यवस्था को प्रमाणित किया है।

पर्यटन क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को बेस्ट वाइल्डलाइफ और बेस्ट एडवेंचर डेस्टिनेशन के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2024 में जाखोल, हर्षिल, गुंजी और सूपी गांवों को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव घोषित किया गया है। वर्ल्ड रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड में राज्य को 'वन टू वॉच' पुरस्कार मिला है।

कृषि और मत्स्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में मत्स्य विकास के लिए उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ राज्य का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विमानन सम्मेलन में राज्य को 'बेस्ट स्टेट फॉर प्रोमोशन ऑफ एविएशन इकोसिस्टम' सम्मान से नवाजा गया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सरकार लोक कलाकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लोक कलाकारों की सत्यापित सूची तैयार कर कोरोना काल में लगभग 3,200 कलाकारों को प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी गई। 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध एवं अस्वस्थ लोक कलाकारों को पेंशन प्रदान की जा रही है। गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत लोक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार लोक सांस्कृतिक लिपियों के प्रकाशन, आर्ट गैलरियों की स्थापना तथा साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। साहित्यकारों को सम्मान और ग्रंथ प्रकाशन हेतु अनुदान प्रदान किया जा रहा है तथा स्थानीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सेवा संकल्प फाउंडेशन जैसी संस्थाएं भविष्य में भी उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी।

सेवा संकल्प फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी श्रीमती गीता धामी ने कहा कि बीते 4 दिनों से इस महोत्सव के माध्यम से उत्तराखंड की लोक संस्कृति को जीवंत रखने का कार्य किया गया है। इस महोत्सव में उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक उत्पाद, जीवनशैली को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा इस महोत्सव का शुभारंभ शंखनाद से हुआ था। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन सभी की मेहनत का फल है।

श्रीमती गीता धामी ने कहा कि उत्तरायणी कौथिक में पूरे राज्य से लोग आए। यह मात्र संस्था का नहीं बल्कि पूरे राज्य का आयोजन है। जिसमें पूरे राज्य से लोगों ने प्रतिभाग किया है। हमने इस कौथिक के माध्यम से पूरे राज्य की संस्कृति एक मंच पर दिखाया। उन्होंने कहा युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ते हुए उनका भविष्य बनाना है। उन्होंने कहा हमने अपने भविष्य को अपनी जड़ों से जोड़े रखना है।

श्रीमती गीता धामी ने कहा कि आधुनिकता के साथ संस्कृति का संरक्षण भी बेहद जरूरी है। जब तक संस्कृति जीवित है, तब तक हमारी पहचान और सम्मान है। हमारी सनातन संस्कृति ही सबसे पुरातन संस्कृति है। हमें गर्व है कि हम उत्तराखंड और भारत के लोग हैं। उन्होंने सभी से उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों की अधिक से अधिक खरीदारी करने की बात कही। उन्होंने कहा जिससे हम राज्य के अर्थव्यवस्था को बढ़ा सके और उत्तराखंड को आत्मनिर्भर उत्तराखंड बनाएं।

श्रीमती गीता धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू हुआ, सख्त नकल विरोधी लागू कर हजारों लोगों को रोजगार दिया है। आज उत्तराखंड नए आयाम स्थापित कर रहा है।

आज कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल, पूर्व मुख्यमंत्री पद्म भूषण भगत सिंह कोश्यारी, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, अध्यक्ष केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड पद्मश्री प्रसून जोशी, राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी, विधायक खजान दास, विधायक दुर्गेश्वर लाल, विधायक अनिल नौटियाल, विधायक भोपाल राम टम्टा, विधायक सुरेश गढ़िया, सुरेश चौहान, अजेय कुमार, श्रीमती बिशना देवी, श्रीमती अपर्णा जोशी, डीजीपी दीपम सेठ, दायित्वधारी राज्य मंत्री हेमराज बजरंगी, श्रीमती मधु भट्ट, डॉ. गीता खन्ना, गीताराम गौड़, विश्वास डाबर, श्याम अग्रवाल, श्रीमती विनोद उनियाल, नेहा शर्मा, हरक सिंह, मुकेश कुमार, ज्योति गैरोला, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

रक्षा, सुरक्षा , सेमीकंडक्टर और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढायेंगे भारत और मलेशिया: मोदी

कुआलालंपुर। भारत और मलेशिया ने आतंकवाद से निपटने, खुफिया जानकारी साझा करने , समुद्री सुरक्षा मजबूत करने , रक्षा , कृत्रिम बुद्धिमत्ता , डिजिटल प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में सहयोग बढाने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों का मानना है कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र दुनिया के विकास इंजन के रूप में उभर रहा है और वे आसियान के साथ पूरे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं। आतंकवाद पर उनका स्पष्ट संदेश है कि इस पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं तथा आतंकवाद से कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

मलेशिया की दो दिन की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां अपने मलेशियाई समकक्ष के साथ व्यापक वार्ता के बाद यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया में भारत के कामगारों के संरक्षण के लिए सामाजिक सुरक्षा समझौते ,पर्यटन के लिए ग्रैटिस ई वीजा और डिजिटल पेमेंट इंटरफेस यूपीआई के मलेशिया में लागू होने को बड़ा कदम बताया।

मोदी ने वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में

कहा , 'भारत और मलेशिया के संबंध विशेष हैं। हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से हमारे लोगों के बीच गहरे और आत्मीय रिश्ते रहे हैं। आज मलेशिया, भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। हमारी सभ्यताएँ, साझा सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी हुई हैं। '

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के क्षेत्र में हम आतंकवाद रोधी, खुफिया जानकारी साझा करने , समुद्री सुरक्षा में सहयोग मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश रक्षा सहयोग को भी और व्यापक बनाएंगे। साथ ही उन्होंने रक्षा , ए आई , डिजिटल प्रौद्योगिकी और सेमिकंडक्टर के क्षेत्र में सहयोग बढाने पर सहमति व्यक्त की है। मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के कामगारों के संरक्षण के लिए सामाजिक सुरक्षा समझौते ,पर्यटन के लिए ग्रैटिस ई वीजा और डिजिटल पेमेंट इंटरफेस यूपीआई का मलेशिया में लागू होना ये सभी कदम, दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और मलेशिया को तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि मलेशिया में तमिल भाषा की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र विश्व के विकास इंजन के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, ' हम आसियान के साथ पूरे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत आसियान को केन्द्र के रूप में प्राथमिकता देता है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक संस्थाओं में सुधारों को जरूरी बताया और आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों का विरोध करते हुए आतंकवाद से कोई समझौता नहीं करने की बात कही। मोदी ने कहा, ' हमारा साझा मत है कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार जरूरी है। हम शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे और आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है, आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों का विरोध और आतंकवाद से कोई समझौता नहीं।

कानपुर में पुलिस के डर से युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र में पुलिस के डर से एक युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। करीब 25 फीसदी झुलसे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कल्याणपुर कला निवासी कार चालक राहुल दीक्षित का पिछले महीने क्षेत्र के दबंग लोगों से विवाद हुआ था जिसकी रिपोर्ट उसने थाने में करा दी थी। मारपीट के इस मामले में नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि विपक्षी उसे मुकदमा वापस लेने का दवाब बना रहे थे और क्षेत्रीय पुलिस को बात बात पर बुला लेते थे।

इसी क्रम में बीती देर रात विपक्षियों ने पथराव की सूचना देकर पुलिस को बुला लिया जिस पर पुलिसकर्मियों ने पहुंच कर राहुल से थाने चलने को कहा। डर की वजह से राहुल घर के अंदर गया और खुद को आग लगा ली।

जमालपुर कलां में जल जीवन मिशन का उत्सव, सांसद त्रिवेंद्र रावत ने किया जल अर्पण

हर घर नल-हर घर जल संकल्प की साकार तस्वीर बना जमालपुर कलां, जल संरक्षण पर जोर

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड बहादराबाद स्थित जमालपुर कलां गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित जमालपुर कलां पंपिंग पेयजल योजना का जल अर्पण दिवस आज हर्षोल्लास एवं जनभागीदारी के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति तथा पेयजल निगम, हरिद्वार के अभियंताओं द्वारा किया गया।

जल अर्पण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा की विधायक अनुपमा रावत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों की भारी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'हर घर नल, हर घर जल' का संकल्प देशभर में साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है, जिसके तहत उज्ज्वला योजना, हर घर शौचालय, आवास योजना और अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा हर घर तक पहुंचाई जा रही है। सांसद ने बताया कि जमालपुर कलां गांव में लगभग 5 हजार परिवार निवास करते हैं और सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों–पर्वतीय क्षेत्र, दूरस्थ जल स्रोत और भूमिगत जल की कमी–के बावजूद जल जीवन मिशन को सफल बनाना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने जल स्तर में हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को भविष्य के लिए अनिवार्य बताया। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाला समय जल संकट का होगा, इसलिए स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने खेतों में रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से जल प्रदूषण की समस्या की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया। वृक्षारोपण पर बल देते हुए सांसद ने कहा कि चौड़ी पत्ती वाले वृक्षों के बिना जल संरक्षण संभव नहीं है। बढ़ते कंक्रीटकरण के कारण वर्षा जल भूमि में समाहित नहीं हो पा रहा है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत ने कहा कि जल संस्थान के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जल योजनाओं का वास्तविक लाभ हर घर तक पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से लालढांग क्षेत्र के ओवरहेड वाटर टैंकों के संचालन में आ रही समस्याओं का उल्लेख करते हुए प्रत्येक टैंक पर जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी पेयजल संकट न हो। विधायक ने क्षेत्र के हैंडपंपों की नियमित जांच एवं मरम्मत पर जोर देते हुए प्राथमिक विद्यालय जमालपुर कलां के उच्चीकरण की मांग भी उठाई। इस संबंध में विद्यालय के बच्चों द्वारा सांसद को अनुरोध पत्र सौंपा गया। साथ ही उन्होंने ग्राम जमालपुर कलां को संपूर्ण रूप से सीवर लाइन से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान जमालपुर कलां पेयजल योजना के टैंक एवं नलकूप परिसर में जल रक्षा सूत्र बांधा गया तथा वृक्षारोपण किया गया। सांसद द्वारा ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता समिति की पांच महिलाओं को पेयजल गुणवत्ता जांच किट वितरित की गई।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा जल संरक्षण विषय पर बनाई गई सुंदर पेंटिंग्स एवं ड्रॉइंग्स का प्रदर्शन किया गया, जिसकी सभी अतिथियों ने सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि बच्चों में जल संरक्षण की समझ विकसित करना भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जल अर्पण दिवस के अंतर्गत आयोजित जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं, पेंटिंग एवं कला प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्राथमिक विद्यालय जमालपुर कलां की छात्राओं को सम्मानित किया गया। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं विधायक अनुपमा रावत ने छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के अंत में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामवासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जिला महामंत्री आशु चौधरी, ग्राम प्रधान जमालपुर कलां हरेंद्र कुमार, जल जीवन मिशन नोडल अधिकारी यशवीर मल्ल, अधिशासी अभियंता अनंत सैनी, राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन देहरादून से राजेश गुप्ता, अधिशासी अभियंता सुधीर कुमार सहित पेयजल निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एक नजर

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी (राज्य स्तरीय प्रतियोगिता) खेल महाकुम्भ 2025 के अंतर्गत रविवार को आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए। प्रतियोगिता में अंडर-14 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हरिद्वार जनपद के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स की विभिन्न विधाओं जिनमें लंबीकूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, 60 मीटर एवं 600 मीटर दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी हरिद्वार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि खेल महाकुम्भ के माध्यम से प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत किया जा रहा है तथा खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, खेल विभाग, प्रशिक्षकों एवं निर्णायकों का सराहनीय योगदान रहा।

भेल क्षेत्र में खुले में शौच रूकवाने की सांसद से की मांग

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पिछले दो साल से भेल क्षेत्र में खुले में शौच होने की शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर रविवार को समाजेसवी और स्थानीय लोगों ने सांसद को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि तहसील दिवस से लेकर जिलाधिकारी के जनसुनवाई कार्यक्रम तक उक्त शिकायत की गई पर नतीजा शून्य रहा हैं। विवश होकर समाजसेवी डॉ हिमांशु द्विवेदी ने हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में ओडीएफ लागू है उसके बावजूद भी भेल क्षेत्र समेत आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोग खुले में शौच कर रहे हैं। जो की राज्य के लिए एक अभिशाप है। भेल क्षेत्र के जो लोग खुले में शौच कर रहे हैं, वह सेक्टर 1 बैरियर नंबर 1 रविदास मंदिर के सामने अवैध रूप से झुग्गी झोपड़ी बनाकर वर्षो से रह रहे हैं उन लोगो को भेल प्रबंधन शौचालय की व्यवस्था नहीं कर सकता।

दो शातिर दोपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी के पांच वाहन बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पिछले कई दिनों से थाना सिडकुल क्षेत्र में लगातार एक के बाद एक दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएँ सामने आ रही थीं। इन घटनाओं को रोकने के लिए सिडकुल पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के पांच वाहन बरामद किये हैं। सिडकुल पुलिस टीम द्वारा उन सभी घटनास्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया गया जहां से वाहन चोरी हुए थे। चोरी की घटनाओं के दौरान घटित संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण किया गया। साथ ही आसपास निवास कर रहे व कार्यरत लोगों से पूछताछ कर महत्वपूर्ण सुराग एकत्रित किए गए। लगातार सतत् प्रयासों के फलस्वरूप रविवार 8 फरवरी को पुलिस टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान दवा चौक सिडकुल के पास से दो संदिग्ध व्यक्तियों आयुष पुत्र गंगाराम व रोहित पुत्र शिवराम को हिरासत में लिया। इनके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। जो कि डैन्सो

चौक से चोरी की गयी थी। हिरासत में लिए गए संदिग्धों से गहन एंव कड़ी पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा 4 अन्य वाहन चोरी कर एक कम्पनी के पीछे छिपाकर रखे जाने की जानकारी दी गई। पुलिस द्वारा अभियुक्तों की निशान्देही पर छिपाकर रखी गई चोरी की तीन बाइक और एक स्कूटी बरामद की गई। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष नितेश शर्मा, अपर उपनिरीक्षक अनिल कुमार सैनी, अपर उपनिरीक्षक संजय चौहान, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र मलिक, हेड कांस्टेबल संजय सिंह, कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल जितेन्द्र तोमर, कांस्टेबल अरविन्द कुमार, कांस्टेबल मुकेश कुमार मौजूद रहे।

वर्ल्ड कप चैंपियनशिप में मेडल जीतकर लौटे खिलाड़ियों का स्वामी यतीश्वरानंद ने किया स्वागत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय शूटिंग बॉल टीम में वर्ल्ड कप चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल प्राप्त कर वापस लौटे सूरज चौधरी और नवनीत कुमार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हमारे देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वस्तर की प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए आशीर्वाद दिया। भारतीय टीम ने शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप चैंपियनशिप प्रतियोगिता 1 से 3 फरवरी तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुई थी। रविवार को गाजीवाली आर्यनगर आश्रम में सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सूरज चौधरी और नवनीत कुमार पहुंचे। खिलाड़ी सूरज चौधरी गांव बेलडी और नवनीत कुमार शेरपुर खेलमऊ निवासी है। आश्रम पहुंचने पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने फूल गुलदस्ते एवं मेडल पहनाकर दोनों का स्वागत

किया। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप में पदक जीतकर न केवल पूरे भारत में बल्कि देवभूमि उत्तराखंड का भी नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत है। उन्होंने दोनों के उज्ज्वल भविष्य और आने वाली प्रतियोगिताओं में और अधिक सफलता के लिए उत्साहवर्धन किया। इस दौरान स्वामी यतीश्वरानंद ने प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा प्रदेश में चलाई जा रही खेल और खिलाड़ियों के लिए योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन कराकर बड़ा संदेश दिया था। उन्होंने हर गांव, शहर, जिला स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल मैदान, तमाम छात्रवृत्तियों की शुरूआत करके खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है।

कांवड़ियों के स्वागत और सुरक्षा के लिए हरिद्वार पुलिस का 'सुरक्षा कवच' तैयार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शारदीय कांवड़ मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल हरिद्वार के निर्देशित क्रम में नोडल अधिकारी शारदीय कावड़ मेला एसपी सिटी अभय कुमार द्वारा मेला ड्यूटी में लगे फोर्स को कमलदास कुटिया में ब्रीफ़ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र को 9 जोन व 19 सेक्टर में विभक्त कर शारदीय कांवड़ मेले को निर्विघ्न संपन्न कराने हेतु सभी अधिकारियों को उनकी ज़िम्मेदारी सौंपी गई।

मेले में तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षक स्थ्र इस पर्व के अवसर पर महत्वपूर्ण सूचनाओं का संकलन कराएंगे। ड्यूटी 12 घंटे की होगी। पहली पाली सुबह 07:00 से शाम 20:00 बजे तक और दूसरी पाली शाम 19:00 से सुबह 08:00 बजे तक रहेगी। किसी कांवड़िये के घायल या बीमार होने पर उसे तुरंत उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया जाएगा। कर्मचारियों को अपने साथ डंडे और बरसाती रखना अनिवार्य है। पुलिस टीम से कहा गया कि हरकी पैड़ी और आसपास के पुलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने दें। पुलों से नदी में छलांग लगाने वालों को सख्ती से रोकें। सुरक्षा के दृष्टिगत डाक कांवड़ वाहनों में डीजे वाहनों से बाहर नहीं होने चाहिए। भीड़ को देखते हुए यातायात योजना तैयार की गई है। सभी अधिकारियों को इसका अध्ययन करने और हाईवे पर जाम न लगने के निर्देश दिए गए। ड्यूटी पर तैनात बल अपने पॉइंट्स का निरीक्षण करेंगे और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत उच्चाधिकारियों को देंगे। जोनल और सेक्टर अधिकारी पुलिस बल को नियमित ब्रीफ करेंगे और शिफ्ट चेंज के समय सबकी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। किसी भी घटना की सूचना तुरंत उच्चाधिकारियों और कंट्रोल रूम को दें। सभी कर्मचारी अपने पास जोनल/सेक्टर पुलिस अधिकारियों के मोबाइल नंबर रखेंगे। जेबकतरों और चेन छीनने वालों पर नज़र रखने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर सादे कपड़ों में पुलिस तैनात की जाएगी। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी अपनी प्रतिस्थानी आने से पहले ड्यूटी पॉइंट नहीं छोड़ेगा। कोई भी पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का अनावश्यक प्रयोग नहीं करेगा। सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में पड़ने वाले होटलों और धर्मशालाओं की समय-समय पर औचक जांच करने के निर्देश हैं। मेला क्षेत्र में विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ, ईंट, पत्थर और बजरी ले जाने वाले वाहनों का प्रवेश वर्जित है। यह सुनिश्चित करना कि कोई भी दुकानदार सड़क पर ठेला या दुकान न लगाए ताकि रास्ता साफ रहे। सुरक्षा कारणों से कांवड़ की ऊंचाई 12 फुट से अधिक नहीं होनी चाहिए। पुलिस को कांवड़ियों के साथ विनम्र और मधुर व्यवहार करने के निर्देश दिए गए। किसी भी विवाद को आपसी बातचीत और सौहार्द से सुलझाने पर जोर दिया जाए। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम को सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली अफवाहों पर कड़ी नजर रखने और गलत सूचनाओं का तुरंत खंडन करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित ट्रैफिक डायवर्जन प्लान को सही प्रकार से चलाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। जोनल और सेक्टर अधिकारियों को अपनी शिफ्ट के दौरान सभी कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी और हर घंटे रिपोर्ट देनी होगी। मेले के दृष्टिगत अतिक्रमण पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोई भी दुकानदार सड़क पर ठेली लगाता है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित सेक्टर अधिकारी की होगी।

मेले में लगे फोर्स का विवरण

पुलिस उपाधीक्षकः 07, निरीक्षकः 04, उपनिरीक्षक/सहायक उपनिरीक्षकः 47, कांस्टेबल/हेड कांस्टेबलः 160 (पुरुष) और 49 (महिला), यातायात पुलिसः- 03 निरीक्षक और 15 उपनिरीक्षक, विशेष इकाइयाँः पी.ए.सी./आई.आर.बी. (03 कंपनी, 01 प्लाटून), बम निरोधक दस्ता (01 टीम), जल पुलिस/गोताखोर (16 कर्मी), एस.डी.आर.एफ. (03 टीम), और वन विभाग (03 टीम)।

एक नजर

50 पव्वे देशी शराब के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के लिए दिए गए निर्देश के क्रम में ज्वालापुर पुलिस ने एक नशा तस्कर को 50 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि चैकिंग के दौरान अभियुक्त जगपाल पुत्र हरि सिंह निवासी मोहल्ला कैथवाड़ा कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार को ज्वाला दास आश्रम के पास मोहल्ला कड़च्छ से 50 पव्वे देशी शराब माल्टा मार्का के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

अवैध तमंचे के साथ पेशेवर अपराधी चढा पुलिस के हत्थे

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम व आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाये जाने के ?निर्देश पर पथरी पुलिस ने कार्रवाई की है। पथरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान धनपुरा बिजली घर के पास से मोहित नाम के एक संदिग्ध व्यक्ति को अवैध तमंचा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में जानकारी प्राप्त हुई की अभियुक्त मोहित के विरुद्ध पूर्व में भी कई गंभीर धाराओं में मुकदमे पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त मोहित के विरुद्ध थाना पथरी पर आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक महेन्द्र पुंडीर, एएसआई किशन स्वरुप, कांस्टेबल राकेश नेगी और नारायण सिंह शामिल रहे।

मेरठ की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली रुड़की पुलिस महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ बीती 7 फरवरी को पीड़िता ने तहरीर देते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

पुलिस के मुताबिक 7 फरवरी को पीडिता के द्वारा कोतवाली रूडकी पर प्रतिवादी मेहरबान पुत्र मकसूद द्वारा पीड़िता को कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाकर अपने साथियों के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म कर ने और अपने दोस्तों दानिश पुत्र सुक्का व अब्दुल रहमान उर्फ दुल्ला पुत्र जमील निवासी गण जौरासी थाना रुडकी के साथ पीड़िता की अश्लील विडियो बनाने के सम्बन्ध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था।

घटना की संगीनता को देखते हुये एसएसपी हरिद्वार द्वारा आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी करने हेतु विशेष टीमें गठित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिसपर गठित टीम द्वारा गहन छानबीन करते हुए अभियुक्त मेहरबान पुत्र मकसूद निवासी ग्राम जौरासी कोतवाली रुडकी जनपद हरिद्वार व अब्दुल रहमान उर्फ दुल्ला पुत्र जमील निवासी जौरासी थाना रुडकी हरिद्वार को उसके मकान से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में उ0नि0 अंशु चौधरी, कांस्टेबल प्रदीप, अनूप लिंगवाल और महिला कांस्टेबल दीपा शर्मा शामिल रही।

सीनियर सिटजनों के अनुभव का लाभ समाज हित में ले सरकारः अवधेशानंद गिरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जूना पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि हम सीनियर सिटीजन्स को भारत सरकार से यह मांग करनी चाहिए कि वह हमारे अनुभवों का लाभ समाज हित में लें। उन्होंने यह विचार सिडकुल के एक होटल में आयोजित कन्फेडरेशन ऑफ सीनियर सिटीजन्स एसोसिएशंस ऑफ देवांचल, उत्तराखंड के द्वितीय प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

रविवार को आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि हम सीनियर सिटीजन्स को अपने बच्चों पर निर्भर रहना छोड़ना पड़ेगा। हमें बच्चों को टोका-टाकी नहीं करनी चाहिए और न ही उनसे कोई अपेक्षा रखनी चाहिए। उन्होंने कहा आज के बच्चे वैसे नहीं है जैसे कि हमारे जमाने में हुआ करते थे। कहां की स्वयं में परिवर्तन की आवश्यकता है दूसरों से परिवर्तन की उम्मीद ना रखें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश राजेश टंडन ने कहा वरिष्ठ नागरिकों को अपने अधिकार के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। कहां कि माता-पिता हमारे प्रथम गुरु हैं और हमें गुरु तक पहुंचने का मार्ग वही दिखाते हैं। अति विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने कहां की वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान देना आवश्यक है हमें वरिष्ठ नागरिकों के ज्ञान व अनुभव का लाभ लेना चाहिए तभी हम अपने कार्य में सफल होंगे । इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वशिष्ठ अतिथि मेदांता हॉस्पिटल नोएडा के डायरेक्टर डॉक्टर संजय गुप्ता ने वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य को ठीक रखने संबंधी जानकारी दी। कार्यक्रम में ए आई एस सी सी ओ एन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके रैना समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा आदि उपस्थित ने अपने विचार व्यक्त किए ।कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बृज प्रकाश गुप्ता तथा संचालन सचिव उपेंद्र कुमार शर्मा तथा कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर संगठन की ओर से ग्रीन मैन विजय पाल सिंह बघेल, वैध एम आर शर्मा, डॉ रविंद्र कपूर, अर्जुन दास भारद्वाज, शासकीय अधिवक्ता कुशल पाल सिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार अमित कुमार गुप्ता, नितिन शर्मा एवं अविनाश चंद्र ओहरी आदि को उत्तराखंड गौरव सम्मान तथा कैलाश चंद शर्मा, विनोद शर्मा भीमसेन, एचआर अग्रवाल, अमरेश कुमार रस्तोगी एवं केएस राणा आदि को सुपर वरिष्ठ नागरिक सम्मान देकर सम्मानित किया।

एफपीआई निवेशकों ने फरवरी में किया 15,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

मुंबई। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से उत्साहित विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) निवेशकों ने फरवरी के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 15,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। शुद्ध निवेश एफपीआई निवेशकों द्वारा पूंजीबाजार में लगायी गयी राशि और उनके द्वारा निकाली गयी राशि का अंतर होता है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई निवेशकों ने फरवरी में इक्विटी में 8,129 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। डेट में उनका शुद्ध निवेश 7,369 करोड़ रुपये रहा। हाइब्रिड उपकरणों में भी उन्होंने 68 करोड़ रुपये लगाये। म्यूचुअल फंड में उनका शुद्ध निवेश ऋणात्मक रहा। उन्होंने इससे 74.3 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड में एफपीआई निवेशकों ने 17.95 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। डेट आधारित म्यूचुअल फंड से उन्होंने 53.51 करोड़ रुपये और हाइब्रिड उपकरणों पर आधारित म्यूचुअल फंड से 51.44 करोड़ रुपये निकाले। अन्य म्यूचुअल फंड में उन्होंने 48.6 करोड़ रुपये लगाये। इससे पहले जनवरी में एफपीआई निवेशक लगातार दूसरे महीने भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहे थे।

संपादकीय

बजट 2026-27: उपलब्धियों के दावे और मध्यम वर्ग की अनसुनी आवाज

केंद्र सरकार ने वर्ष 2026-27 के आम बजट को अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया है। सरकार का दावा है कि यह बजट तेज आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार, रोजगार सृजन और समावेशी विकास को गति देगा। आधिकारिक बयानों और प्रचार के माध्यम से जनता को इसके फायदों की तस्वीर दिखाई जा रही है। लेकिन जब इस बजट को मध्यम वर्ग और अपर मध्यम वर्ग की नजर से देखा जाता है, तो तस्वीर उतनी उत्साहजनक नहीं दिखती। मध्यम वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यही वर्ग सबसे अधिक कर देता है, उपभोग करता है और अर्थव्यवस्था को चलायमान रखता है। इसके बावजूद बजट 2026-27 में इस वर्ग के लिए कोई ठोस राहत नजर नहीं आती। आयकर स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया, न ही महंगाई के अनुरूप कर छूट की सीमा बढ़ाई गई। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च तथा आवास ऋण की ऊंची ब्याज दरों के बीच मध्यम वर्ग पहले से ही दबाव में है, लेकिन बजट में इन समस्याओं का सीधा समाधान नहीं दिखता।

अपर मध्यम वर्ग की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। यह वर्ग न तो सरकारी सब्सिडी का बड़ा लाभार्थी होता है और न ही टैक्स में कोई विशेष रियायत पाता है। पेट्रोल-डीजल, गैस, बिजली और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे इस वर्ग की वास्तविक आय घट रही है। बजट में इन अप्रत्यक्ष करों या महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कोई प्रभावी कदम सामने नहीं आया।

सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्योगों के लिए बड़े प्रावधान किए हैं, जो दीर्घकाल में विकास के लिए जरूरी हैं। लेकिन आम मध्यम वर्गीय परिवार के लिए तात्कालिक राहत भी उतनी ही जरूरी है। शिक्षा ऋण पर ब्याज में छूट, स्वास्थ्य बीमा पर कर राहत, वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त लाभ और बचत योजनाओं पर बेहतर रिटर्न जैसे कदम इस बजट में अपेक्षित थे, जो नदारद रहे।

बजट को लेकर सरकार की उपलब्धियों की सूची लंबी हो सकती है, लेकिन यह भी सच है कि मध्यम वर्ग और अपर मध्यम वर्ग को यह महसूस नहीं हो रहा कि यह बजट उनके जीवन को आसान बनाएगा। यदि सरकार वास्तव में 'सबका साथ, सबका विकास' के लक्ष्य को हासिल करना चाहती है, तो आने वाले समय में नीतियों और फैसलों के जरिए इस वर्ग की अनदेखी को दूर करना होगा। क्योंकि मजबूत मध्यम वर्ग के बिना मजबूत अर्थव्यवस्था की कल्पना अधूरी है।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी। इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं।

राष्ट्रीय चॉकलेट दिवस – 9 फरवरी, 2026 पर विशेष

चॉकलेट मीठा खाना कुछ गजब स्वाद है

संजय गोस्वामी

भारत में चॉकलेट दिवस हर साल 9 फरवरी को भारत में वैलेंटाइन वीक समारोह के हिस्से के रूप में मनाया जाता है। इस दिन, प्रेमी एक-दूसरे को चॉकलेट उपहार में देते हैं और आशा करते हैं कि उनका रिश्ता हमेशा मीठा बना रहे। चॉकलेट सबसे पसंदीदा व्यंजनों में से एक है। इसने अटूट लोकप्रियता हासिल की है। चॉकलेट को पेय के रूप में, खाने योग्य बार के रूप में, डेज़र्ट में, या यहाँ तक कि फ्लेवरिंग के रूप में भी खाया जा सकता है। चॉकलेट बच्चों और वयस्कों दोनों के बीच पसंदीदा है। चॉकलेट दिवस साल भर किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, लेकिन यह दिन प्रेमियों के बीच उपहार के रूप में चॉकलेट के उपयोग का उत्सव है। चॉकलेट के सेवन का इतिहास लगभग 2,500 साल पुराना है। एज़्टेक लोगों ने हाल ही में तरल चॉकलेट की खोज की थी और उनका मानना ??था कि ज्ञान के देवता, क्वेट्ज़ालकोटल ने उन्हें इसका आशीर्वाद दिया था। कोको के बीज इतने मूल्यवान माने जाते थे कि उन्हें मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। उन दिनों, चॉकलेट में फ्लेवरिंग कम थे और इसे एक कड़वे पेय के रूप में सेवन किया जाता था। वास्तव में 16वीं सदी तक चॉकलेट चीनी-मुक्त होती थी, जब यूरोपीय लोगों ने इसमें चीनी मिलाना शुरू किया। इससे चॉकलेट अधिक स्वादिष्ट हो गई और बाजारों में जल्दी लोकप्रिय हो गई। यह कई घरों की पसंदीदा चीज़ों में से एक बन गई। आज की कई लोकप्रिय चॉकलेट कंपनियों ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में अपना परिचालन शुरू किया। कैडबरी की स्थापना 1868 में इंग्लैंड में हुई थी और आज यह अग्रणी चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। 25 साल बाद मिल्टन एस हर्शे ने हर्शे की शुरुआत की जो अब दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। नेस्ले ने 1860 के दशक में अपना परिचालन शुरू किया और दुनिया के सबसे बड़े खाद्य समूहों में से एक बन गया है। जो एक पेय के रूप में शुरू हुआ था, उसने मुद्रा का रूप ले लिया और आज यह सबसे बड़े उद्योगों में से एक बन गया है जो न केवल आय उत्पन्न करता है और दुनिया भर में लाखों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि ऐसे खाद्य पदार्थ भी बनाता है जो हममें से बहुत से लोगों को पसंद हैं! चॉकलेट दिवस इस खाद्य सामग्री की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का भी जश्न मनाता है। चॉकलेट दिवस पर प्रेमी एक-दूसरे को प्यार के प्रतीक के रूप में दिल के आकार की चॉकलेट देते हैं। अपने प्रियजनों को चॉकलेट गिफ्ट करने से सारे तनाव और दुख दूर हो जाते हैं और रिश्ते में मिठास बढ़ती है। फरवरी की छुट्टियाँ चॉकलेट डे का इतिहास चॉकलेट खाने का इतिहास लगभग 2,500 साल पुराना है। एज़्टेक लोगों ने हाल ही में लिक्विड चॉकलेट की खोज की थी और उनका मानना ??था कि ज्ञान के देवता, क्वेट्ज़ालकोटल ने उन्हें यह आशीर्वाद दिया था। कोको के बीज इतने कीमती माने जाते थे कि उन्हें मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। उन दिनों, चॉकलेट में फ्लेवरिंग कम होती थी और इसे एक कड़वे पेय के रूप में पिया जाता था। 16वीं सदी तक चॉकलेट असल में बिना चीनी के होती थी, जब यूरोपियनों ने इसमें चीनी मिलाना शुरू किया। इससे चॉकलेट ज़्यादा स्वादिष्ट हो गई और जल्दी ही बाज़ारों में लोकप्रिय हो गई। यह कई घरों की पसंदीदा चीज़ बन गई। आज की कई लोकप्रिय चॉकलेट कंपनियों ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में अपना काम शुरू किया। कैडबरी की स्थापना 1868 में इंग्लैंड में हुई थी और आज यह प्रमुख चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। 25 साल बाद मिल्टन एस हर्शे ने हर्शे की शुरुआत की जो अब दुनिया के सबसे बड़े और जाने-माने चॉकलेट ब्रांडों में से एक है। नेस्ले ने 1860 के दशक में अपना काम शुरू किया और दुनिया के सबसे बड़े फूड ग्रुप में से एक बन गया है। जो एक पेय के रूप में शुरू हुआ था, वह एक मुद्रा का रूप ले लिया और आज यह सबसे बड़े उद्योगों में से एक बन गया है जो न केवल दुनिया भर में लाखों लोगों को आय और रोज़गार देता है, बल्कि ऐसे खाद्य पदार्थ भी बनाता है जिन्हें हममें से बहुत से लोग पसंद करते हैं! चॉकलेट डे इस खाद्य सामग्री की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का भी जश्न मनाता है।नियमित रूप से डार्क चॉकलेट खाने से व्यक्ति को हृदय रोग विकसित होने की संभावना कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें कुछ यौगिक,विशेष रूप से फ्लेवेनॉल,हृदय रोग के लिए दो प्रमुख जोखिम कारकों को प्रभावित करते हैं: हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल। कुछ रिसर्च से पता चलता है कि हृदय रोग के जोखिम को कम करने के साथ ही इंफ्लेमेशन और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करने, गट माइक्रोबायोम की विविधता को बढ़ाने और ब्रेन फंक्शन में सुधार करने में मदद कर सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल से करता है बचाव हाई कोलेस्ट्रॉल से करता है बचाव डार्क चॉकलेट का सेवन हाई कोलेस्ट्रॉल से बचा सकता है। एक अध्ययन में पाया गया कि डार्क चॉकलेट के सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में कमी आती है। कैंसर कैंसर डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं। इससे कैंसर और सूजन जैसी कई बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ब्रेन के लिए फायदेमंद ब्रेन के लिए फायदेमंद डार्क चॉकलेट आपके ब्रेन हेल्थ को भी ब्रूस्ट करती है। इसमें मौजूद तत्व तनाव पैदा करने वाले कॉर्टिसोल हार्मोन को नियंत्रित करते हैं। इससे स्ट्रेस से बचने और डिप्रेशन से जुड़े लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है। स्किन के लिए फायदेमंद स्किन के लिए फायदेमंद डार्क चॉकलेट खाने या इसका फ़ेस पैक लगाने से त्वचा में ग्लो आता है और त्वचा स्वस्थ और यंग रहती है। मूड को बनाती है बेहतर मूड को बनाती है बेहतर डार्क चॉकलेट खाने से मूड पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

डार्क चॉकलेट में मौजूद एंडोर्फिन और सेरोटोनिन जैसे केमिकल मूड को बेहतर बनाने का काम करते हैं। डिस्क्लेमर: यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता।

जानकी जयंती का व्रत आस्था, धैर्य और जीवन संतुलन का पर्व माता सीता की उपासना से व्रतधारियों के जीवन में आने वाले सकारात्मक परिवर्तन

कांतिलाल मांडोत

जानकी जयंती, जिसे सीता अष्टमी भी कहा जाता है, हिंदू धर्म में माता सीता के प्राकट्य दिवस के रूप में विशेष श्रद्धा और भाव से मनाई जाती है। यह पर्व केवल एक तिथि या धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन को भीतर से परिष्कृत करने का अवसर प्रदान करता है। माता सीता को त्याग, सहनशीलता, मर्यादा और नारी शक्ति का सर्वोच्च प्रतीक माना गया है। ऐसे में उनके नाम से जुड़ा यह व्रत व्रतधारियों के लिए मानसिक, पारिवारिक और आध्यात्मिक स्तर पर गहरे लाभ देने वाला माना जाता है। शास्त्रीय मान्यताओं और लोक-आस्था में यह विश्वास गहराई से जुड़ा है कि सच्चे मन से किया गया जानकी जयंती का व्रत जीवन की अनेक उलझनों को सुलझाने में सहायक होता है। जानकी जयंती का व्रत मुख्य रूप से वैवाहिक सुख, पारिवारिक शांति और अखंड सौभाग्य से जुड़ा हुआ माना जाता है। विवाहित महिलाओं के लिए यह व्रत पति की दीर्घायु, दांपत्य जीवन में मधुरता और आपसी समझ को मजबूत करने वाला कहा गया है। माता सीता का संपूर्ण जीवन त्याग और समर्पण का उदाहरण है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर जब कोई महिला इस व्रत को करती है, तो उसके भीतर धैर्य और सहनशीलता का विकास होता है। यही गुण किसी भी वैवाहिक रिश्ते को स्थायी और मजबूत बनाते हैं। माना जाता है कि जानकी जयंती के दिन की गई पूजा और व्रत से घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे पारिवारिक कलह, मनमुटाव और तनाव धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। यह व्रत केवल विवाहित महिलाओं तक सीमित नहीं है। कुंवारी कन्याओं के लिए भी जानकी जयंती का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और माता सीता की श्रद्धापूर्वक आराधना करने से योग्य, संस्कारी और मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त होने की कामना पूर्ण होती है। माता सीता को आदर्श पत्नी और आदर्श नारी के रूप में देखा जाता है, इसलिए उनकी उपासना से विवाह से जुड़ी बाधाएं दूर होने का विश्वास किया जाता है। कई परिवारों में यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है कि विवाह योग्य कन्याएं जानकी जयंती का व्रत रखती हैं और माता से अपने भविष्य के लिए सद्बुद्धि और सही निर्णय की प्रार्थना करती हैं।

जानकी जयंती के व्रत का एक बड़ा लाभ मानसिक शांति से भी जुड़ा हुआ है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब जिम्मेदारियां, अपेक्षाएं और रिश्तों की जटिलताएं मन को बोझिल बना देती हैं, तब ऐसे व्रत और पर्व व्यक्ति को ठहरकर स्वयं से जुड़ने का अवसर देते हैं। माता सीता का जीवन यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी संयम और मर्यादा कैसे बनाए रखी जाए। व्रतधारी जब इस भाव के साथ पूजा करता है, तो उसके भीतर आत्मबल और स्थिरता का विकास होता है। यह मानसिक मजबूती धीरे-धीरे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगती है।

धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो जानकी जयंती का व्रत ग्रह दोषों और नकारात्मक प्रभावों को शांत करने वाला भी माना जाता ,है। विशेष रूप से वैवाहिक जीवन में बार-बार आने वाली परेशानियों, अनबन या विलंब से जुड़े योगों के लिए इस व्रत को लाभकारी बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन बनने वाले ग्रह योग और तिथिगत संयोग पूजा के प्रभाव को और अधिक बढ़ा देते हैं। माता सीता और भगवान राम की संयुक्त पूजा से जीवन में संतुलन आता है, क्योंकि यह पूजा स्त्री और पुरुष ऊर्जा के सामंजस्य का प्रतीक मानी जाती है। जानकी जयंती के दिन किए जाने वाले दान और सुहाग सामग्री अर्पण का भी विशेष महत्व है। सुहागिन महिलाओं द्वारा चूड़ी, बिंदी, सिंदूर और अन्य श्रृंगार सामग्री का दान करना न केवल धार्मिक पुण्य देता है, बल्कि मन में संतोष और करुणा का भाव भी जाग्रत करता है। यह व्रत व्यक्ति को केवल अपने सुख तक सीमित नहीं रखता, बल्कि दूसरों के कल्याण की भावना से भी जोड़ता है। यही कारण है कि इस व्रत को सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी उपयोगी माना गया है। आध्यात्मिक स्तर पर जानकी जयंती का व्रत व्यक्ति के चरित्र निर्माण में सहायक माना जाता है। माता सीता का जीवन सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर अडिग रहने का संदेश देता है। जब व्रतधारी इस कथा और भाव को आत्मसात करता है, तो उसके व्यवहार में भी सौम्यता और संतुलन आने लगता है। क्रोध, अहंकार और अधैर्य जैसे भाव धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। यह परिवर्तन केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार और आसपास के वातावरण को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। यह भी माना जाता है कि जानकी जयंती का व्रत रखने से आर्थिक और पारिवारिक स्थिरता में भी सुधार होता है। माता सीता को लक्ष्मी स्वरूप माना गया है, इसलिए उनकी कृपा से घर में सुख-समृद्धि और संतुलन बना रहता है। हालांकि यह व्रत किसी तात्कालिक चमत्कार का दावा नहीं करता, लेकिन आस्था और नियमित साधना से जीवन की दिशा धीरे-धीरे सकारात्मक होने लगती है। व्रतधारी के भीतर संयम और अनुशासन आता है, जो किसी भी प्रकार की प्रगति का आधार होता है।

भाजपा से निष्कासित नेताओं की घर वापसी, प्रदेश कार्यालय में हुआ जोरदार स्वागत

पथ प्रवाह, देहरादून।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय, देहरादून में आज संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम देखने को मिला। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट जी की उपस्थिति में तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हरिद्वार मदन कौशिक के नेतृत्व में पूर्व पार्षद गौरव भाटिया को पुनः भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर उन्हें विधिवत भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने इसे भाजपा परिवार की घर वापसी बताते हुए कहा कि पार्टी में राष्ट्रसेवा, संगठन और विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं का सदैव सम्मान होता है। गौरव भाटिया की पुनः सदस्यता को संगठन के लिए सकारात्मक संकेत बताया गया।

इस अवसर पर अजय शर्मा, अनिल शर्मा, महेश चंद्र, मुकेश कुमार, संत कुमार, राजकुमारी, रोहित धवन, निमित्त वासन, अमरीक सिंह, कविता गुप्ता, बिंदिया वर्मा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ व गर्मजोशी के साथ स्वागत कर संगठन की एकजुटता का संदेश दिया।

नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासित, विचारधारात्मक एवं कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां मतभेदों के बावजूद संवाद और समन्वय से समाधान निकाला जाता है। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया कि गौरव भाटिया अपने अनुभव और ऊर्जा से संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। उपस्थित नेताओं ने आगामी निकाय, पंचायत एवं विधानसभा चुनावों को लेकर संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया और कहा कि भाजपा पूरी एकजुटता के साथ जनता के बीच जाएगी।

विदित हो कि नगर निगम चुनाव में गौरव भाटिया ने भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव मैदान में ताल ठोंकी थी। जिसके चलते गौरव को भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था। लेकिन गौरव भाटिया ने निष्कासन के बाद भी भाजपा के प्रति निष्ठा रखते हुए मेयर किरण जैसल को चुनाव में मजबूती प्रदान की।

खुली नहर में गिरकर बुजुर्ग घायल, सिंचाई विभाग पर दर्ज हुआ मुकदमा

पथ प्रवाह, देहरादून

जनपद में सड़क दुर्घटनाओं एवं निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। जिला प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) ने अपर तुनवाला क्षेत्र में एक बुजुर्ग के घायल होने के मामले में सिंचाई विभाग के संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। प्रकरण कैनाल रोड, अपर तुनवाला क्षेत्र का है, जहां सिंचाई विभाग द्वारा नहर की सफाई का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया और नहर के ऊपर लगे स्लैब हटाकर उन्हें खुला छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, एक बुजुर्ग व्यक्ति मॉर्निंग वॉक के दौरान कोहरे के कारण खुले स्लैब को देख नहीं पाए और पूर्वनिर्मित सिंचाई नहर में गिरकर घायल हो गए। यह नहर सड़क से लगभग डेढ़ फीट ऊंचाई पर पेवमेंट के रूप में स्थित है। प्राथमिक जांच में यह पाया गया है कि उक्त घटना किसी सीवर निर्माण कार्य से संबंधित नहीं है, बल्कि यह सिंचाई विभाग की पुरानी नहर संरचना से जुड़ा मामला है, जहां सफाई कार्य के दौरान सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। इसी लापरवाही को आधार बनाते हुए जिला प्रशासन द्वारा सिंचाई विभाग के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि जनपद में किसी भी विभाग, कार्यदायी संस्था अथवा ठेकेदार द्वारा निर्माण या सफाई कार्य के दौरान यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है और उससे किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो संबंधित के खिलाफ सीधे आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनमानस की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देश जारी किए हैं कि निर्माण या सफाई कार्य के दौरान पर्याप्त बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, रात्रिकालीन रिफ्लेक्टर, संकेत बोर्ड एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएं, ताकि आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा बनी रहे। अपर तुनवाला क्षेत्र के संबंध में यह भी अवगत कराया गया है कि वहां सीवर पाइपलाइन डालने के उपरांत मार्ग का रेस्टोरेशन कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में उक्त स्थल पर किसी प्रकार की रोड कटिंग का कार्य नहीं हो रहा है तथा सड़क का प्राथमिक रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। जिला प्रशासन पूरे प्रकरण की सतत निगरानी कर रहा है और आगे भी लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एक नजर

दो दिवसीय कुमाऊँ दौरे पर रहेंगे कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी

पथ प्रवाह, देहरादून। सूबे के कृषि, ग्राम्य विकास एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी सोमवार से दो दिवसीय कुमाऊँ दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अल्मोड़ा एवं उधमसिंह नगर जनपद का भ्रमण करेंगे। काबीना मंत्री दौरे के प्रथम दिवस अल्मोड़ा में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर मीडिया से संवाद करेंगे तथा इसके उपरांत वे रुद्रपुर पहुंचकर कृषि विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे। मंगलवार को काशीपुर में विकसित भारत जीरामजी की कार्यशाला को सम्बोधित करेंगे और इसी विषय पर पत्रकार वार्ता भी करेंगे। यह जानकारी कैबिनेट मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

शीर्ष 10 की सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,62,055 करोड़ रुपये बढ़ा

मुंबई। बीएसई के सेंसेक्स में रही डेढ़ फीसदी की तेजी के बीच पिछले सप्ताह बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,62,055 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य तीन का 1,32,206 करोड़ रुपये घट गया।

विविध क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 74,361 करोड़ रुपये बढ़ा। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का एमकैप 48,734 करोड़ रुपये और दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का 40,057 करोड़ रुपये बढ़ा।

आईसीआईसीआई बैंक के एमकैप में 37,063 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस में 31,797 करोड़ रुपये की बढ़त देखी गयी। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,271 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 11,771 करोड़ रुपये बढ़ा।

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस को एमकैप में 66,428 करोड़ रुपये और इंफोसिस को 55,486 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में 10,292 करोड़ रुपये की गिरावट रही।

बाजार पूंजीकरण के मामले में 19,63,359 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,48,250 करोड़ रुपये रहा और यह दूसरे स्थान पर रहा। भारती एयरटेल ने टीसीएस को पछाड़कर एक बार फिर तीसरा स्थान हासिल किया। शुक्रवार को इसका बाजार पूंजीकरण 10,64,242 करोड़ रुपये रहा।

सीएम पुष्कर धामी ने दी बधाई, उत्तराखंड की क्रिकेट टीम ने रणजी सेमीफाइनल में जगह बनाई

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की क्रिकेट टीम को पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इससे प्रदेश के खिलाड़ियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन को भी इस सफलता में उनके निरंतर प्रयासों और योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने बेहतर टीमवर्क, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेलों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा खिलाड़ियों के लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, ताकि प्रदेश के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का नाम रोशन कर सकें। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सेमीफाइनल मुकाबले के लिए टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड की टीम सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में प्रवेश करेगी और राज्य का गौरव बढ़ाएगी।

खटीमा भ्रमण के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सुनी जनता की समस्याएं

पथ प्रवाह, उधमसिंह नगर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने खटीमा भ्रमण के दूसरे दिन रविवार को कैंप कार्यालय लोहियाहेड व हेलीपेड में जनप्रतिनिधियों व जनता से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ग्राम भगचुरी पहुंचे, जहां पर उन्होंने मलकीत सिंह राणा के निधन एवं वीरेंद्र मौर्य की माता (सुन्दरी देवी 92वर्ष) के निधन पर उनके आवास में पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त की एवं परिजनों को ढांढस बधाया व मृत आत्माओं की शान्ति कि कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, अध्यक्ष नगर पालिका खटीमा रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री, अनिल कपूर डब्बू, फरजाना बेगम,जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तूभ मिश्रा, एसपी नीहारिका तोमर, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि,जनता उपस्थित थे।

पुलिस और जनता के बीच विश्वास का सेतु, एसपी उत्तरकाशी द्वारा थाना पुरोला पर किया गया जनसंवाद

थाने का निरीक्षण कर लम्बित माल मुकदमाती, विवेचनाओं के निस्तारण तथा अपराध नियत्रंण के दिये निर्देश

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

'पुलिस आपके द्वार' कार्यक्रम के अन्तर्गत जनता और पुलिस के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित करने, पब्लिक फ्रैंडली पुलिसिंग एवं आमजनता की पुलिस से सम्बन्धित समस्याओं के तुरन्त निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा आज 8 फरवरी 2026 थाना पुरोला पर सामाजिक संगठनों, महिला कार्यकर्ताओं, स्थानीय जनता एवं पत्रकार बंधुओ के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित कर उनकी शिकायत व समस्याओं को सुना गया, बेहतर पुलिसिंग हेतु जनता के सभी गणमान्य लोगों से सुझाव लिए गये। कार्यक्रम मे उनके द्वारा महिला, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा तथा नशे की रोकथाम जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तार से चर्चा-परिचर्चा कर उपस्थित लोगों को समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ भी दिलाई।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि अपराध पर अंकुश हेतु समाज की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। नशा, साइबर, महिला अपराध आदि के प्रति समाज जितना अधिक जागृत होगा उतनी ही आसनी व सरलता के साथ इन दुष्प्रवृतियों को नियंत्रित किया जा सकता है। वर्तमान परिदृश्य में लगातार बढ रहे साइबर अपराध के ममलों के लेकर उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग सावधानी के साथ करें। आपना ओटीपी किसी के साथ भी साझा न करें। साइबर धोखाधडी का शिकार होने पर तुरन्त 1930 पर रिपोर्ट दर्ज करें। सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति सजग करते हुये एसपी उत्तरकाशी द्वारा सभी से यतायायात नियमों हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग , रैश ड्राइविंग, नशे की हालत में वाहन न चलाने आदि के पालन करने की अपील की गयी। नशे की रोकथाम पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। यदि कहीं भी अवैध शराब या मादक पदार्थों की तस्करी अथवा बिक्री की सूचना मिलती है तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें, आपकी पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

कार्यक्रम के समापन पर उनके द्वारा उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त किया गया कि जनसमस्याओं के समाधान हेतु पुलिस सदैव तत्पर है। किसी भी शिकायत को अनदेखा नहीं किया जाएगा।

जनसंवाद कार्यक्रम से पूर्व पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा थाना पुरोला का वार्षिक निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, सीसीटीएनएस कार्यालय, बैरिक, भोजनालय, हवालात आदि की साफ-सफाई का जायजा लेने के उपरान्त शस्त्रों व आपदा उपकरणों का निरीक्षण किया गया जवानों की वेपन/आपदा उपकरणों की हैण्डलिंग परखी गई, शस्त्रों का समय-समय पर साफ-सफाई एवं आपदा उपकरणों के संचालन का निरंतर अभ्यास करते रहने के निर्देश दिये गये। थाने के कार्यों की समीक्षा करते हुये सी0एम0 पोर्टल एवं अन्य ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त जनशिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के साथ थाने पर लम्बित माल मुकदमाती व लम्बित विवेचनाओं का गुणदोष के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

सभी जवानों को निष्ठापूर्वक अपनी ड्यूटी करने व जनता के साथ सभ्य व्यवहार करने के निर्देश दिये गये, थाने पर आने वाले शिकायतकर्ता की शिकायत को सुनने तथा उनका सही मार्ग दर्शन करने हेतु बताया गया।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार, थानाध्यक्ष पुरोला दीपक कठैत, वाचक पुलिस अधीक्षक कोमल सिंह रावत, उ0नि0 अक्षु रानी, आशुलिपिक कैलाश शाह सबित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

संवाद कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार, कोषाध्यक्ष उपेंद्र राणा, सामाजिक कार्यकर्ता बलदेव असवाल, उपेंद्र असवाल, व्यापार मंडल उपाध्यक्ष उमेन्द्र सिंह रावत, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष सोनू कपूर, मां कल्याणकारी समिति की अध्यक्ष मीना सेमवाल सहित रेखा रावत, जसोदा देवी, तनू, बनीता, राजकुमारी देवी एवं अन्य उपस्थित रहे।

एक नजर

यातायात नियमों का उलंघन करने पर 14 के चालान, नशे की हालात में 1 चालक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में संचालित किये जा रहे 36वें सडक सुरक्षा माह 2026 के अन्तर्गत उत्तरकाशी पुलिस द्वारा एक ओर सडक सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति व्यापक स्तर पर जनजागरुकता बढाने के प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यातायात नियमों का उलंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। उपनिरीक्षक यातायात लक्ष्मण सिंह चुफाल के नेतृत्व मे यातायात पुलिस की टीम द्वारा उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय के आस-पास वाहन चैकिंग अभियान चलाते हुये यातायात नियमों का उलंघन करने पर 14 वाहन चालकों पर एमवी एक्ट के अन्तर्गत चालानी कार्रवाई की गयी। शराब के नशे में अनियंत्रित गति/खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 1 टेम्पो ट्रेवल चालक को गिरफ्तार तथा वाहन को सीज कर कोतवाली उत्तरकाशी दाखिल किया गया। टेम्पो ट्रेवल में शादी समारोह में शामिल होने जा रही सवार 17 महिलाओं के लिये यातायात पुलिस की टीम द्वारा मौके पर दूसरे वाहन की व्यवस्था की गयी।

जनरल को गोली मारने का आरोपी दुबई से गिरफ्तार

मास्को। रूस की मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी जीआरयू के डिप्टी हेड लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर गोली चलाने के आरोपी को दुबई में हिरासत में लिया गया है। बाद में उसे रूस को सौंप दिया गया। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने कहा कि आरोपी रूसी नागरिक है और उसका नाम ल्युबोमिर कोरबा है। उसे फायरिंग की वारदात को अंजाम देने के शक में दुबई में पकड़ा गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, शुक्रवार को मॉस्को के एक अपार्टमेंट ब्लॉक में अलेक्सेयेव को कई गोलियां मारी गई थीं। रूसी मीडिया के अनुसार, गोली लगने के बाद उनकी सर्जरी की गई। इस मामले पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हमला शांति वार्ता को नुकसान पहुंचाने के इरादे से किया गया। हालांकि, यूक्रेन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि उसका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है।

पिनानी में क्रिकेट टूर्नामेंट का डॉ निशंक ने किया उदघाटन, विदुषी निशंक ने किया ऐलान खिलाड़ियों को देंगे हर वर्ष प्रोत्साहन राशि

पथ प्रवाह पाबौ। पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने अपने पैतृक गांव में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। पिनानी में पहली बार हो रहे इस टूर्नामेंट में 27 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं। प्रतिदिन दो मैचों का आयोजन किया जाएगा।

क्रिकेट के प्रति ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। एक ओर युवा हर गेंद पर अपने शोर से पूरी घाटी को गुंजायमान कर देते हैं, वहीं महिला मंगल दल इन अवसरों पर पारंपरिक चौंफला नृत्य और लोकगीतों की धुनों पर नृत्य का आनंद ले रहे हैं। डॉ निशंक ने कहा कि हिमालय की गोद में जन्मे हर एक व्यक्ति में असीम संभावनाएं हैं, चाहे वह खेल के क्षेत्र में हो, सैनिकों का शौर्य पराक्रम, मातृ शक्ति की जिजीभिषा हो और चाहे राजनैतिक क्षेत्र रहा हो, यहां के जनमानस ने ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने खेल के प्रति युवाओं के बढ़ते रुझान को सकारात्मक बताया। डॉ निशंक ने अपने बाल्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि जिन खेतों में आज टूर्नामेंट हो रहा है इन खेतों में हम हल जोतना, गोबर डालना उसके बाद फसल कटाई से लेकर हर वो काम किया जो

आम गांव के आम व्यक्ति ने किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप में लगन, निष्ठा और समर्पण हो तो आप कुछ भी कर सकते हो।

अपने पैतृक गांव आई डॉ निशंक की पुत्री विदूषी निशंक ने कहा कि उनकी स्वर्गीय माता की स्मृति में बनी कुसुम कांता फाऊंडेशन के माध्यम से खिलाड़ियों को हर वर्ष प्रोत्साहन राशि प्रदान करेंगे, साथ ही उन्होंने कहा कि महिला मंगल दल और युवक मंगल दलों को भी मुख्य धारा से जोड़कर गांव को विकसित और समृद्ध करने की दिशा में काम करने की जरूरत है। वह स्वयं इसके लिए कृतसंकल्प है। इस अवसर पर पौड़ी ब्लाक प्रमुख स्मिता नेगी, पाबो के ज्येष्ठ प्रमुख राजपाल गुसाईं, थैलीसैंण के पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख बाल कृष्ण चमोली, जिला पंचायत सदस्य भरत रावत,विधायक प्रतिनिधि गुलाब बिष्ठ, पाबौ मंडल अध्यक्ष विमल नेगी, भैरव गुसाई, सुधीर रावत सहित अनेकों प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, महिला मंगल दलों की अध्यक्ष, युवक मंगल दल के अध्यक्ष सहित भारी संख्या में ग्रामीण और क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे। इसके पश्चात डॉ निशंक ने जबरौली महादेव में पूजा अर्चना की।

लक्ष्य तय कर मेहनत करें तो सफलता जरूर मिलेगी: कृष्णा त्रिपाठी

पथ प्रवाह, पौड़ी।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत विकासखंड थलीसैंण के राजकीय इंटर कॉलेज गंगाऊ में अफसर बिटिया कार्यक्रम एवं करियर परामर्श का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी थलीसैंण कृष्णा त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उपजिलाधिकारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने छात्राओं से उनके भविष्य के लक्ष्य पूछे और उन्हें प्रेरित करते हुए संघ लोक सेवा आयोग तथा प्रांतीय सिविल सेवा परीक्षाओं की प्रक्रिया भी सरल शब्दों में समझाई। कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेरे सपनों की उड़ान' विषय पर जूनियर एवं सीनियर वर्ग की छात्राओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कुल 35 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

बाल विकास परियोजना अधिकारी पूजा

गुसाई ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने छात्राओं को बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम-2012 तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी। वन विभाग से आए उप वन क्षेत्राधिकारी ने विभाग की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों से छात्राओं को अवगत कराया।

स्वास्थ्य विभाग की ममता जोशी ने चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध परीक्षाओं और करियर विकल्पों पर जानकारी देते हुए अपने अनुभव भी साझा किए। वहीं अधिवक्ता लक्ष्मी रावत ने लैंगिक अपराधों, स्वयं की सुरक्षा, कानूनी अधिकारों तथा सहायता सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 181 और बाल हेल्पलाइन 1098 की जानकारी भी छात्राओं को दी।

कार्यक्रम के अंत में चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं सहित अन्य उपस्थित रहे।

मेयर किरण जैसल का एक साल का कार्यकाल, भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार

नगर निगम हरिद्वार ने ऋषिकुल सभागार में हुआ भव्य अभिनंदन समारोह

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगर निगम हरिद्वार के गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के सभागार में एक विशाल एवं भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरिद्वार की जनता की ओर से नगर निगम की महापौर श्रीमती किरण जैसल तथा भारतीय जनता पार्टी से निर्वाचित 40 पार्षदों का भव्य सम्मान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता पूर्व नगर पालिका हरिद्वार के चेयरमैन एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार अरोड़ा ने की। कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार लोकसभा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अपने संबोधन में कहा कि हरिद्वार नगर निगम में ट्रिपल इंजन की सरकार के माध्यम से सनातन संस्कृति के अनुरूप विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी हरिद्वार को देश-दुनिया की आध्यात्मिक राजधानी बनाने के लिए जिन भी विकास योजनाओं की आवश्यकता होगी,

उनमें उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र, राज्य और नगर निगम के समन्वय से हरिद्वार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

महापौर श्रीमती किरण जैसल ने कहा कि नगर निगम के एक वर्ष के कार्यकाल में जनता एवं पार्षदों से उन्हें जो सहयोग मिला है, उसके लिए वह सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार नगर निगम के सभी 60 वार्डों का संतुलित और समान विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार-मुक्त शासन और पारदर्शी कार्यशैली के साथ जनसमस्याओं का समाधान करते हुए शहर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाना उनका संकल्प है।

हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने कहा कि आज हरिद्वार विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि और बढ़ती सुविधाओं की मांग को देखते हुए भविष्य में जो भी अतिरिक्त विकास कार्य आवश्यक होंगे, उन्हें केंद्र एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से पूर्ण कराया जाएगा।

रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि एक वर्ष पूर्व हरिद्वार की जनता ने जिस विश्वास के साथ महापौर और पार्षदों को जनादेश दिया था, उसी के परिणामस्वरूप नगर निगम ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। अपने कार्यों के बल पर नगर निगम हरिद्वार ने प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम का सफल एवं सशक्त संचालन प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने किया। समारोह में सभी निर्वाचित पार्षद अपने-अपने समर्थकों के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह में व्यापार मंडल के राष्ट्रीय नेता कैलाश केशवानी, जिला महामंत्री प्रदीप कालरा, प्रदेश सचिव विजय शर्मा, सुनील सेठी, राकेश गोयल, संजय चोपड़ा, जगदीश लाल पाहवा, चेतन ज्योति आश्रम के महंत स्वामी ऋषिश्वरानंद, धर्मशाला समिति के महेश गौड़, ट्रैवल्स एसोसिएशन के मुकेश मनोचा, पंचपुरी ऑटो महासंघ के सतनारायण शर्मा, कपिल विश्नोई, नवीन तेश्वर नगर, राजेंद्र श्रमिक सहित अनेक सामाजिक एवं व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता विमल कुमार, शैलेश मोदी, चंद्रशेखर कुर्ल, सरदार हरमोहन सिंह बबली, सुशील त्यागी, पूर्व जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, सांसद प्रतिनिधि अनिल पुरी, राहुल अग्रवाल, अतुल वशिष्ठ, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिनव चौहान, मंजू शर्मा, तरुण शुक्ला, रंजिता झा, विशाल राणा, विष्णु शर्मा, एडवोकेट राजकुमार, प्रेस क्लब महामंत्री दीपक मिश्रा, लघु व्यापार संगठन प्रदेश अध्यक्ष संजय चोपड़ा, राहुल शर्मा, सुषमा चौहान, राजीव सैनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

बांग्लादेश में हिंदू नेता की जेल में मौत

परिवार का आरोप- समय पर सही इलाज नहीं मिलने से जान गई

ढाका। बांग्लादेश की जेलों में बंद कैदियों के साथ व्यवहार पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। अवामी लीग के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सांसद रहे रमेश चंद्र सेन (86) की शनिवार रात न्यायिक हिरासत में मौत हो गई। वह करीब 18 महीने से जेल में थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। परिवार का आरोप है कि गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिला और बार-बार स्वास्थ्य आधार पर जमानत की मांग खारिज की जाती रही। अधिकारियों ने मौत की वजह बीमारी बताई है। रमेश चंद्र सेन की तबीयत जेल में रहते हुए लगातार बिगड़ती गई। परिजनों के मुताबिक, उन्हें कई बीमारियां थीं और नियमित चिकित्सा देखभाल की जरूरत थी। परिवार का कहना है कि उन्हें नाजुक हालत के बावजूद हिरासत में रखा गया। परिवार के एक सदस्य ने कहा कि उन्हें न तो सही इलाज मिला और न ही सम्मान। उनसे बुनियादी मानवाधिकार तक छीन लिए गए। शनिवार रात हिरासत में ही उनकी मौत हो गई। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, 2025 से अब तक बांग्लादेश में हिरासत के दौरान कम से कम 107 लोगों की मौत हुई है। इनमें ज्यादातर अवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। लगभग हर मामले में मौत की वजह दिल का दौरा या अचानक बीमारी बताई गई। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इन मामलों में स्वतंत्र जांच नहीं होती। एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि हिरासत में मौत को अपराध की आशंका के तौर पर नहीं, सिर्फ कागजी कार्रवाई मान लिया जाता है। बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 31 और 32 के तहत हिरासत में लिए गए हर व्यक्ति के जीवन और गरिमा की जिम्मेदारी राज्य की होती है। इससे पहले 11 जनवरी को अवामी लीग के पूर्व नेता और हिंदू कलाकार प्रलय चाकी की भी इलाज के दौरान हिरासत में मौत हो गई थी। उनके परिजनों ने भी समय पर इलाज न मिलने का आरोप लगाया था, लेकिन उस मामले में भी कोई बड़ी जवाबदेही तय नहीं हुई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जुलाई आंदोलन के बाद अवामी लीग के 200 से ज्यादा वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी फिलहाल जेल में हैं।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने मुनीर सेना को दी बड़ी चोट !

14 शहर, 76 हमले, 362 सुरक्षाबलों को मारने का दावा...

नई दिल्ली(ईएमएस)। बलूचिस्तान में जारी संघर्ष के बीच बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ऑपरेशन हेरोफ 2 अभियान के तहत बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है। संगठन के अनुसार 31 जनवरी सुबह 5 बजे से शुरू होकर 6 फरवरी शाम 4 बजे तक चले छह दिन के इस अभियान में उसके लड़ाकों ने 14 शहरों में 76 से अधिक हमले किए। बीएलए की तरफ से एक बयान में बताया गया है कि इनमें कई हमले एक साथ और समन्वित तरीके से अंजाम दिए गए। बीएलए ने कहा कि इस अभियान में उसकी प्रमुख इकाइयों - मजीद ब्रिगेड, फतेह स्क्वाड, स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड, खुफिया विंग जिराब और मीडिया विंग हक्कल ने हिस्सा लिया। संगठन का दावा है कि इस दौरान उसके 93 लड़ाके मारे गए, जिनमें मजीद ब्रिगेड के 50 फिदायीन शामिल हैं। दूसरी ओर संगठन ने यह भी कहा कि झड़पों, घात लगाकर किए गए हमलों और अन्य कार्रवाइयों में पाकिस्तानी सेना, फ्रंटियर कॉर्प्स, पुलिस और खुफिया एजेंसियों से जुड़े 362 से अधिक कर्मी मारे गए। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इसी अवधि में सुरक्षा बलों ने 200 से ज्यादा उग्रवादियों को मार गिराया है।

पाकिस्तानी बलों को हिरासत में लेने का दावा

बीएलए ने यह भी दावा किया कि उसके लड़ाकों ने 17 सुरक्षाकर्मियों को हिरासत में लिया, जिनमें से 10 को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया जबकि सात अब भी उनकी हिरासत में हैं। संगठन का कहना है कि इन पर कथित युद्ध अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई की जाएगी। इस बीच अभियान के दौरान सैन्य ठिकानों, चेकपोस्ट, पुलिस स्टेशनों और अन्य ढांचों को नुकसान पहुंचाने और हथियार और उपकरण कब्जे में लेने के दावे भी किए गए हैं।

बीएलए के हमले से पाकिस्तान का क्या नुकसान होगा?

हालात को लेकर क्षेत्र में तनाव बरकरार है। चूंकि बलूचिस्तान में संघर्ष को लेकर अलग-अलग आंकड़े सामने आ रहे हैं, लेकिन एक बात पर ज्यादातर लोग सहमत हैं कि मौजूदा दौर में लड़ाई सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है। बड़े और संगठित हमलों का असर पाकिस्तान और वैश्विक स्तर पर मनोवैज्ञानिक तौर पर ज्यादा दिख रहा है। इससे सरकारी अधिकारियों, सुरक्षा बलों और चीन जैसे विदेशी निवेशकों में डर और अनिश्चितता का माहौल बनता है, जो हालात को और तनावपूर्ण बना देता है। लगातार हिंसा और असुरक्षा के कारण विदेशी निवेशक ऐसे इलाकों में निवेश करने से हिचकिचाते हैं, जिन्हें जोखिम भरा माना जाता है।

भारत-अमेरिका टैरिफ समझौता उप्र के लिए अवसर: योगी

लखनऊ। भारत-अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत जारी टैरिफ ज्वाइंट स्टेटमेंट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताते हुए कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि समझौते में किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों को पूर्ण रूप से संरक्षित रखा गया है, साथ ही 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी और युवाओं व महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में प्रस्तावित कटौती से उत्तर प्रदेश के निर्यात-आधारित क्लस्टर्स को

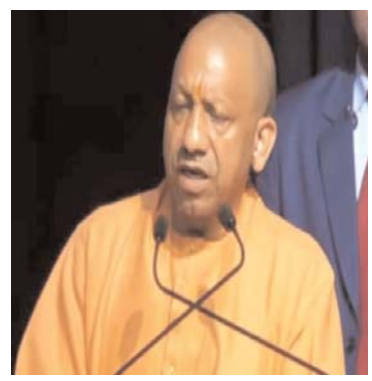

संरचनात्मक बढ़त मिलेगी। भदोही-मिर्जापुर कार्पेट, वाराणसी सिल्क, कानपुर-आगरा लेदर, मेरठ-मुरादाबाद होम डेकोर तथा पूर्वांचल के टेक्सटाइल उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धा में लाभ होगा। चुनिंदा कृषि उत्पादों और प्रोसेस्ड फूड पर शून्य शुल्क से मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, जबकि फार्मा, मशीनरी और ऑटो कंपोनेंट्स को वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे एमएसएमई इकाइयों की सीधे निर्यात में भागीदारी बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर निवेश को भी इस समझौते से प्रोत्साहन मिलेगा। संवेदनशील कृषि क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखते हुए किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के लिए निर्यात, निवेश और रोजगार सृजन के लिहाज से दीर्घकालिक अवसर करार देते हुए कहा कि यह समझौता राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

बड़े मिंया बनाकर पाकिस्तान जेएफ-17 लड़ाकू विमान पर कर रहा दावे....लेकिन सच्चाई कुछ और ही

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने जेएफ-17 लड़ाकू विमान को लेकर भारी दावे किए हैं। लेकिन जिस तरह का प्रचार प्रसार पाकिस्तान कर रहा है, वैसा उसकी इंडस्ट्री के हालात को देखकर गप्प लगता है। पाकिस्तान के पास एफ-17 फाइटर एयरक्राफ्ट की प्रोडक्शन क्षमता इतनी कम है कि अगर पाकिस्तान को ऑर्डर मिलते भी हैं, तब भी वहां अगले कई सालों तक डिलीवरी नहीं कर सकता है। पाकिस्तान एक साल में जितने जेएफ-17 बनाता है, उससे वहां अपनी घरेलू जरूरत भी शायद पूरा नहीं कर पाएगा। पाकिस्तान एयरोनॉटिकल कॉम्प्लेक्स (पीएसी), जो जेएफ-17 बनाता है, उसके पास ऐसा इकोसिस्टम ही नहीं है कि वहां भारी मात्रा में विमानों का प्रोडक्शन कर सके। जबकि इस प्रोजेक्ट में चीन का 65 प्रतिशत और पाकिस्तान की सिर्फ 35 प्रतिशत ही हिस्सेदारी है। पाकिस्तान ने 2000 के दशक से जेएफ-17 का सीरियल प्रोडक्शन शुरू किया था और उसके बाद से अभी तक वहां सिर्फ 175-185 एयरक्राफ्ट बना सका है। इसमें विदेशी कस्टमर्स को सप्लाई की गई सभी यूनिट्स भी शामिल हैं। यानि पिछले करीब 17 सालों में पाकिस्तान ने 11 विमान प्रति वर्ष के हिसाब से विमान बनाए हैं, जबकि विमान के तमाम क्रिटिकल पार्ट्स चीन के हैं और इंजन रूसी है। हालांकि पीएसी कामरा ने इस साल प्रोडक्शन क्षमता को 16-18 विमान प्रति वर्ष बनाने की बात जरूर की है, लेकिन ऐसा करना बहुत मुश्किल है।

चीनी एयरोस्पेस जानकार तर्क दे रहे हैं कि अगर पाकिस्तान को ज्यादा ऑर्डर मिलते हैं, तब चीनी निवेश बढ़ सकता है। लेकिन चीन की तरफ से पाकिस्तान कोई स्ट्रक्चरल बदलाव किए गये हैं, इसके कोई सबूत अभी तक नहीं हैं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कतर, कजाकिस्तान, सूडान जैसे देशों को जेएफ-17 लड़ाकू विमान बेचने के दावे किए हैं। लेकिन अभी तक इसके एक भी सबूत नहीं हैं। पाकिस्तान वायुसेना को अपनी जरूरतों के लिए 25 स्क्वार्डर्न विमान होने चाहिए और पाकिस्तान को अभी अपनी वायुसेना से 250 से ज्यादा पुराने विमानों को हटाने हैं। जिसमें मिराज और एफ-7पी/पीजी फ्लीट हैं, जो अब काफी पुराने हो चुके हैं। इसके बाद अगर पाकिस्तान की घरेलू इंडस्ट्री पूरी क्षमता के साथ लगातार हर साल 18 विमानों का भी प्रोडक्शन करे, तब उस अपनी वायुसेना की जरूरतों को पूरा करने में 14 साल लग सकते है। पिछले 10 सालों में पाकिस्तान एयरफोर्स के विमानों की संख्या में काफी कमी भी आई है। पिछले 10 सालों में पाकिस्तान एयरफोर्स ने कम से कम 35 से ज्यादा विमान खो हैं। दुर्घटनाओं में करीब 20-22 विमान नष्ट हुए हैं, जबकि 6 जेएफ-17 लड़ाकू विमान क्रैश किए हैं और भारत के ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान वायुसेना ने 12-13 विमान खो दिए थे, जिसकी पुष्टि इस साल जनवरी में हो गई है। भोलाड़ी और नूर खान एयरबेस पर भारत के सटीक हमलों के दौरान पाकिस्तान के कई विमान तबाह हुए थे।

हज 2026: सऊदी अरब ने शुरू की वीजा प्रक्रिया, अप्रैल में पहुंचेगा पहला जत्था

रियाद। सऊदी अरब ने हज 2026 की तैयारियां अभी से तेज कर दी हैं। हज यात्रा को बेहतर ढंग से करने और तीर्थयात्रियों को अधिक सुविधाएं देने के मकसद से सऊदी हज और उमराह मंत्रालय ने वीजा प्रक्रिया समय से पहले शुरू कर दी है। मंत्रालय के अनुसार, हज 2026 के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया 8 फरवरी से औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि हज यात्रियों का पहला समूह 18 अप्रैल 2026 से सऊदी अरब पहुंचना शुरू करेगा। वीजा प्रक्रिया फरवरी में शुरू होकर मार्च तक पूरी कर ली जाएगी, ताकि तीर्थयात्रियों के आगमन से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें। अधिकारियों का कहना है कि एडवांस टाइमलाइन से इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा। यह पूरी योजना सऊदी अरब के विजन 2030 के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य हज और उमराह इकोसिस्टम में दक्षता बढ़ाना, सेवा गुणवत्ता सुधारना और भीड़ प्रबंधन को मजबूत करना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि विदेशों से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए पवित्र स्थलों से जुड़ी सभी सेवाओं के अनुबंध अंतिम रूप ले चुके हैं।

हिंदुओं को बांटने की चल रही साजिश : नितिन गौतम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों के श्रृंखला में हरिद्वार-रानीपुर नगर में विराट हिंदू सम्मेलनों का आयोजन हुआ। जिनमें वक्ताओं ने हिंदुओं को एकजुटता का पाठ पढ़ाते हुए अपनी प्राचीन सनातनी परंपरा का निर्वहन करने का संकल्प दोहराया। हरिद्वार नगर की अंबडेकर बस्ती व दक्ष बस्ती में भी हिन्दू सम्मेलन आयोजित हुए। राजघाट पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रीगंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि जब तक हम इक्कठा है तब तक ही सुरक्षित है। हिन्दू बंटेगा तो कटेगा। उन्होंने कहा कि जिन जिन देशों में हिन्दू रह रहे थे वहां वह लगातार कम हो रहे हैं। भारत मे भी जिहादी मानसिकता वाले लोग हिंदुओं को जात-पथ-सम्प्रदाय के नाम पर तोड़ने का काम कर रहे है। हिंदुओ को विखंडित करने की साजिश बड़े स्तर पर चल

रही है। इस साजिश से हमे बचकर रहना होगा तथा अपना,अपने परिवार, समाज व देश को सुरक्षित करना होगा। मुख्य अतिथि श्री पंचायती निर्मल अखाड़े के कोठारी महंत स्वामी जसविन्दर सिंह ने कहा कि सिख धर्म की स्थापना हिन्दू सनातन धर्म कि रक्षा के लिए हुई थी। आज भी सिख संगत अपने धर्म को बचाने के लिए हर कुर्बानी को तैयार है। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मनु शिवपुरी ने भी सम्मेलन को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का सञ्चालन शिवानी गौड़ ने किया। सम्मेलन के बीच बीच ने स्कूली बच्चों ने सुंदर प्रस्तुति दी।

बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में श्रीराम बस्ती में हिन्दू जागरण समिति के तत्वाधान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस मौके पर डॉक्टर श्रीमती निमेष शर्मा ने पंच परिवर्तन विषय पर बोलते हुए समाज में समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी का भाव, कुटुंब में महिला के महत्व को व्यक्त किया। अमर बलिदानी भगत सिंह के जीवन के प्रसंग को बताते हुए मां के महत्व के साथ देशभक्ति की व्याख्या की।विशिष्ठ अतिथि स्वामी धर्मानंद महाराज ने सनातन संस्कृति की व्याख्या करते हुए बताया कि सनातन का मूल ही समरसता है। वर्तमान में सनातन संस्कृति के ऊपर हो रहे विधर्मी आक्रमण, घटती हुई जनसंख्या, इत्यादि के बचाव के लिए सभी संतानियों को एकजुट होने का आग्रह किया। मुख्य वक्ता प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अनिल वर्मा ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा का वर्णन करते हुए संघ स्थापना की पृष्ठभूमि, आवश्यकता, वर्तमान में संघ के अनुसांगिक संगठन, सेवा कार्य, संघ की शाखाओं इत्यादि का वर्णन किया।

कार्यक्रम के संरक्षक मनोज द्विवेदी ने ऐसे कार्यक्रमों को आवश्यक बताते हुए, सभी अतिथियों तथा आए हुए सामान्य जानों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन आर्यवीर ने किया तथा अतिथियों का परिचय पंकज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मोमस प्राइड स्कूल, कमलेश मेमोरियल स्कूल के छोटे बच्चों द्वारा श्री गणेश वंदना, सरस्वती वंदना एवं देशभक्ति गीत की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती से हुआ। अंत में सभी उपस्थित जनों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में नगर संघचालक वकील जी, सह विभाग संपर्क प्रमुख संजय पंवार, सह जिला कार्यवाह संजय जी, भूपेंद्र, जिला प्रचार प्रमुख देवेश सहित रानीपुर नगर की समस्त कार्यकारिणी उपस्थित रही।

एक नजर

घर में घिरे मुल्ला मुनीर.....अब हर घटना के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा रहे

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। इस्लामाबाद के एक शिया मस्जिद में हुए हालिया बम धमाके को लेकर पाकिस्तान की सेना और उसके नेतृत्व पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। खुफिया सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह हमला किसी बाहरी आतंकी संगठन की साजिश नहीं, बल्कि पाकिस्तान सेना का कथित 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' हो सकता है। रिपोर्टों में बताया गया हैं कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने हमले का मास्टरप्लान तैयार किया, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को आतंकवाद से पीड़ित देश के रूप में दिखा सके। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान सेना की रणनीति में बड़ा बदलाव आया है। अब करीब हर आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान का सैन्य मीडिया विंग आईएसपीआर सीधे तौर पर भारत और कभी-कभी अफगानिस्तान पर आरोप मढ़ देता है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सहानुभूति हासिल करना और घरेलू स्तर पर जनता का ध्यान आंतरिक असफलताओं से हटाना है।

इसी कड़ी में इस्लामाबाद बम धमाके के बाद भी पाकिस्तान सरकार ने तुरंत भारत और अफगानिस्तान को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन स्थिति तब पलट गई जब इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ले ली। यह वही संगठन है, जिस पर पहले भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर काम करने के आरोप लगते रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि असीम मुनीर, जो पहले आईएसआई प्रमुख भी रह चुके हैं, अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचने और आतंकवाद के मुद्दे पर खुद को पीड़ित दिखाने के लिए ऐसी रणनीतियां अपना रहे हैं। यह भी आशंका है कि इस हमले को आधार बनाकर पाकिस्तान भविष्य में अफगानिस्तान के खिलाफ सीमित सैन्य कार्रवाई कर सकता है। साथ ही, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नाम पर अमेरिका, खासकर डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं से अतिरिक्त समर्थन हासिल करने की कोशिश भी की जा सकती है। इसके अलावा, गाजा में पाकिस्तानी सैनिकों की तैनाती को लेकर देश के भीतर असीम मुनीर के खिलाफ विरोध बढ़ रहा है। इसके बाद खुफिया एजेंसियों का मानना है कि वह किसी बाहरी खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर आंतरिक असंतोष से ध्यान हटाने की कोशिश कर सकते हैं।

आत्मघाती हमले के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने का दावा, लेकिन भारत विरोधी आरोपों की पोल खुली

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में हुए भीषण आत्मघाती हमले के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने का दावा किया है, लेकिन उसके दावे ने खुद पाकिस्तान के भीतर हुए भारत विरोधी आरोपों की पोल खोल दी है। शुक्रवार को इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में स्थित एक शिया मस्जिद में हुए आत्मघाती बम धमाके में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 169 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह बीते एक दशक में राजधानी में हुआ सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बताया कि हमले के सिलसिले में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें एक अफगान नागरिक भी शामिल है। नकवी के अनुसार यही व्यक्ति आत्मघाती हमले का मास्टरमाइंड है। यह घोषणा तब हुई जब आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। इससे पहले पाकिस्तान के कुछ नेताओं ने बिना किसी ठोस सबूत के हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की थी।

गिरफ्तारी अभियान के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की छापेमारी में एक अधिकारी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 2008 में इस्लामाबाद के मैरियट होटल के बाहर हुए आत्मघाती हमले में 63 लोग मारे गए थे, जबकि नवंबर 2023 में एक अदालत के बाहर हुए धमाके में 12 लोगों की जान गई थी।

हालांकि गिरफ्तारी के बावजूद गृह मंत्री नकवी ने फिर भारत पर हमला करने वालों को फंडिंग और टारगेट देने का आरोप लगाया। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। इसके पहले पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी भारत और अफगानिस्तान पर हमले में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत और अफगान सरकार दोनों ने सिरे से खारिज कर दिया।

ट्रंप की दो टूक, जून तक समझौता कर लें यूक्रेन और रूस

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए जून तक की डेडलाइन दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका दोनों पक्षों पर दबाव डालकर इस समय सीमा तक समझौता करवाना चाहता है। जेलेंस्की के अनुसार, 'अगर समय पर समझौता नहीं हुआ, तब वे दोनों देशों पर और अधिक दबाव डाल सकते है। इसका नतीजा बुरा हो सकता है।' ट्रम्प प्रशासन इस मामले में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका ने अगले दौर की त्रिपक्षीय बातचीत को पहली बार अमेरिका में आयोजित करने का सुझाव दिया है। यूक्रेन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। इससे पहले अबू धाबी में हुई त्रिपक्षीय बैठक में कोई बड़ा समझौता नहीं हो सका था। दोनों पक्ष अपनी-अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। रूस लगातार मांग कर रहा है कि यूक्रेन डोनबास क्षेत्र से अपनी सेना हटा ले, जबकि यूक्रेन इस शर्त को मानने से मना कर रहा है।

जेलेंस्की ने कहा, 'डोनबास के मुद्दे पर सवाल अब भी जस के तस हैं।' उन्होंने बताया कि सबसे जटिल मुद्दों पर फैसला केवल राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में हो सकता है। बातचीत में अमेरिका ने डोनबास क्षेत्र को एक मुक्त आर्थिक क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन जेलेंस्की ने कहा कि इस पर दोनों पक्षों के विचार अलग-अलग हैं और इसके बाद इस योजना को लागू करना मुश्किल लगता है। बातचीत में युद्धविराम की निगरानी कैसे की जाए, इस पर भी चर्चा हुई। अमेरिका ने इस प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाने की इच्छा दुबारा जाहिर की है। इसी बीच, रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले तेज कर दिए हैं। जेलेंस्की ने बताया कि शनिवार की रात को रूस ने 400 से ज्यादा ड्रोन और लगभग 40 मिसाइलें दागीं, जिनका निशाना बिजली ग्रिड, बिजली उत्पादन केंद्र और नेटवर्क टावर थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में मोहन भागवत बोले

संघ कहे तो पद छोडऩे के लिए तैयार हूं...

मुंबई(ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोडऩे को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है।आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक बनता है। भागवत रविवार को मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी।

भागवत ने कहा कि समान नागरिक संहिता सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढऩे चाहिए। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा।

भागवत ने कहा कि आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में। संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। संघ के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर करना पड़ा हो। संघ की कार्यप्रणाली में अंग्रेजी कभी मुख्य भाषा नहीं बनेगी, क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। जहां जरूरत होती है, वहां अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जाता है। हमें अंग्रेजी सीखनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

काई भी हिंदू बन सकता हैं सरसंघचालक

मोहन भागवत ने कहा कि संघ प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने के लिए किसी खास जाति का होना जरूरी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या एससी-एसटी समाज का कोई भी व्यक्ति सरसंघचालक बन सकता है।कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि संघ में इस आधार पर कार्यकर्ता नियुक्त नहीं होते कि उनकी जाति क्या है। जो हिंदू है, वह सरसंघचालक बन सकता है। हमारे यहाँ काम करने वाले को जिम्मेदारी मिलती है। एससी/एसटी वर्ग का व्यक्ति भी इस पद पर पहुँच सकता है। सिर्फ ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है और किसी अन्य जाति का होना कोई अयोग्यता नहीं।

ब्राह्मणों का संघ वाली छवि पर दी सफाई

संघ की पुरानी छवि पर चर्चा करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि जब संघ की शुरुआत हुई थी, तब वह एक छोटी सी ब्राह्मण बस्ती से शुरू हुआ था। उन्होंने स्वीकार किया कि शुरुआती दौर में संघ छोटा था और एक ब्राह्मण बहुल बस्ती में सक्रिय था, इसलिए स्वाभाविक रूप से पदाधिकारी ब्राह्मण थे।

सिंधु समझौता सस्पेंड होते ही एक्शन में मोदी सरकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद मोदी सरकार ने चिनाब नदी पर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा प्रोजेक्ट की दिशा में अहम कदम उठाया है। सरकारी कंपनी एनएचपीसी ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। एनएचपीसी ने चिनाब नदी पर बनने वाले इस सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 5129 करोड़ रुपये की लागत से जुड़ा टेंडर खोला है। यह पूरा प्रोजेक्ट एक ही पैकेज के तहत तैयार किया जाएगा। टेंडर दस्तावेज के मुताबिक, इस पैकेज में डाइवर्जेंट टनल का निर्माण, एडिट, डीटी और कोफर डैम का निर्माण शामिल है। इसके अलावा मांडिया नाला डीटी, इससे जुड़े सडक़ निर्माण कार्य, राइट बैंक स्पाइरल टनल, एक्सेस टनल और डैम से जुड़े सभी सहायक कार्य भी इसी पैकेज का हिस्सा होंगे। यह प्रोजेक्ट चिनाब नदी पर बिजली उत्पादन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

एनएचपीसी के टेंडर के अनुसार, इस परियोजना के लिए बोली 12 मार्च से शुरू होगी और 20 मार्च तक चलेगी। बोली की वैधता अवधि 180 दिन रखी गई है। वहीं, निर्माण कार्य को पूरा करने की समयसीमा 3285 दिन तय की गई है। सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से कुल 1856 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ देश की पावर ग्रिड को भी मजबूत करेगा। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस प्रोजेक्ट को भारत की रणनीतिक और आर्थिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। चिनाब नदी पर यह परियोजना भारत के जल

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com